

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय अनिश्चितताओं के भंवर में फंसी हुई है, लेकिन भारत ने इस दौर में भी अपनी विकास गति को बनाए रखकर एक अलग मिसाल पेश की है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की ताजा रिपोर्टों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत न केवल स्थिर है, बल्कि वैश्विक सुस्ती के बीच भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है. यह आकलन उन तमाम आशंकाओं और दावों पर सीधा प्रहार करता है, जिनमें भारतीय अर्थव्यवस्था के कमजोर पड़ने की बात कही जा रही थी.

पिछले कुछ महीनों में एक खास तरह का नैरेटिव गढ़ने की कोशिश हुई कि भारत की आर्थिक रफतार थमने वाली है, छिटे और मध्यम उद्योग संकट में हैं और विकास की दिशा कमजोर हो रही है. राजनीतिक विमर्श में भी इन आशंकाओं को बार-बार दोहराया गया. लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टों ने इन दावों की वास्तविकता उजागर कर दी है.

वैश्विक सुस्ती और अर्थव्यवस्था की रफतार

जब आईएमएफ जैसे वैश्विक निकाय भारत की आर्थिक मजबूती को स्वीकार करते हैं, तो यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि नीतिगत स्थिरता और संरचनात्मक सुधारों की पुष्टि भी होती है.

आईएमएफ द्वारा वैश्विक विकास दर को घटाकर लगभग 3.1 प्रतिशत कर देना इस बात का संकेत है कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं. यूरोप, अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख आर्थिक केंद्र भी विभिन्न कारणों से धीमी गति का सामना कर रहे हैं. युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, महंगाई और सलाई चैन की बाधाएं, इन सभी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है. ऐसे समय में भारत का अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन अपने आप में महत्वपूर्ण है.

भारत की इस मजबूती के पीछे कई ठोस

कारण हैं. सबसे पहला है मजबूत घरेलू मांग, जो वैश्विक झटकों के बावजूद अर्थव्यवस्था को सहारा देती है. दूसरा बड़ा कारक है डिजिटल नीतिगत स्थिरता और विस्तार, जिसने लेन-देन, सेवाओं और उद्योगों को नई ऊर्जा दी है. तीसरा महत्वपूर्ण पहलू मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हो रहे सुधार हैं, जिनमें 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की भूमिका अहम रही है. इन प्रयासों ने भारत को केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन केंद्र के रूप में भी स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ाया है.

हालांकि यह तस्वीर पूरी तरह चुनौतियों से मुक्त नहीं है. भारत सरकार के आर्थिक सलाहकार ने भी संकेत दिया है कि खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और संभावित युद्ध का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है. कच्चे

तेल की कीमतों में उछाल, निर्यात पर दबाव और विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं. यह भी सच है कि भारत पूरी तरह वैश्विक प्रभावों से अछूता नहीं रह सकता.

फिर भी, यह मानना होगा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज पहले की तुलना में कहीं अधिक लचीली और सक्षम बनी है. नीतिगत सुधार, बुनियादी ढांचे में निवेश और वित्तीय अनुशासन ने इसे झटकों को सहने की ताकत दी है. जरूरत इस बात की है कि सरकार इस गति को बनाए रखते हुए रोजगार सृजन, ग्रामीण आय और छोटे उद्योगों की मजबूती पर भी समान रूप से ध्यान दे. कुल मिलाकर आईएमएफ और विश्व बैंक की मुहर केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक संकेत है, भारत सही दिशा में बढ़ रहा है. अब चुनौती यह है कि इस गति को स्थायी और समावेशी विकास में कैसे बदला जाए, ताकि इसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे.

महाकौशल की डायरी

कहीं गुटबाजी की शिकायत कुर्सी न ले डूबे



अविनाश दीक्षित

मध्य प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस कमेटी में संगठन सृजन अभियान के जरिए नियुक्त किए गए 71 जिलाध्यक्षों के भविष्य का फैसला अगले सप्ताह होने जा रहा है. खबर है कि इस पूरी प्रक्रिया में जबलपुर के नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा और ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के कामकाज की भी स्कूटी की जाएगी. जिसकी मुख्य वजह ये है कि पिछले कुछ समय से इन दोनों पादाधिकारियों के विरुद्ध स्थानीय स्तर पर लगातार असंतोष के स्वर उभर रहे थे और ये खबर भोपाल में बैठे कांग्रेस के आला नेताओं के खेमे तक जा पहुंची थी. हालांकि दोनों ही नेता अपनी सक्रियता का दावा कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के सामने अपनी सक्रियता उपयोजित प्रामाणिकता करनी होगी. कुर्सी बचेगी कि जाएगी, के पेंच में फिलहाल कांग्रेस नगर अध्यक्ष और ग्रामीण नगर अध्यक्ष चिंतित नजर आ रहे हैं.

खबर है कि दिल्ली से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि वामसी रेड्डी विशेष रूप से इस प्रक्रिया की मॉनिटरिंग के लिए भोपाल आ रहे हैं. प्रदेश संगठन की योजना के अनुसार जिलाध्यक्षों के कार्यों का पिछले 2 महीनों में 2 बार प्रारंभिक आंकलन किया जा चुका है. आगामी समीक्षा बैठक को अंतिम और निर्णायक माना जा रहा है, जिसमें कमजोर प्रदर्शन करने वाले प्रभारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है. संगठन के गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि जिन जिलों में गुटबाजी चरम पर है या जहां से शिकायतों का

पुलंदा प्रदेश मुख्यालय पहुंचा है, वहां नेतृत्व परिवर्तन की सम्भावना ज्यादा है. वामसी रेड्डी की भोपाल में मौजूदगी यह स्पष्ट संकेत दे रही है कि केंद्रीय हाईकमान इस बार संगठन की मजबूती को लेकर किसी भी प्रकार का समझौता करने के पक्ष में नहीं है. अर्स से गुटबाजी में जबलपुर का नाम भी चर्चाओं में रहता आया है. ऐसे में सौरभ नाटी शर्मा और संजय यादव के माथे में भी चिंता की लकीरें अभी से नजर आने लगी हैं. विदित हो कि कांग्रेस प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी 15 से 18 अप्रैल तक लगातार 4 दिनों तक संभागवार समीक्षा बैठकों का संचालन कर रहे हैं. पीसीसी मुख्यालय में होने वाली इन बैठकों में सभी जिलाध्यक्षों को व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं. इस दौरान संगठन निर्माण की प्रगति, क्षेत्रीय चुनौतियों और भविष्य की चुनावी रणनीति पर बिंदुवार चर्चा होगी. जबलपुर के परिप्रेक्ष्य में यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां का एक बड़ा असंतुष्ट खेमा पिछले काफी समय से सौरभ शर्मा और संजय यादव के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है. अब यह देखा जा रहा है कि इन शिकायतों को कांग्रेस के शीर्ष नेता किस नजरिये से देखते हैं और दोनों को क्या निर्देश देते हैं. कानाफूसी है कि जबलपुर कांग्रेस के भीतर मंचे खींचतान के बीच यह समीक्षा सप्ताह पार्टी की अंदरूनी राजनीति में बड़े फेरबदल का आधार बन सकता है.

मोटी फीस वसूलने वाले निजी स्कूल निकले फिसट्टी

मोटी फीस, सुविधाओं के नाम पर सिर्फ रसमअदायगी, दिखावा करने वाले जबलपुर के प्रतिष्ठित कई सारे निजी स्कूलों में बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा, पढ़ाई की कलाई उस वक्त खुल गई जब शहर के सरकारी स्कूलों का कक्षा दसवीं, 12वीं का परीक्षा परिणाम निजी स्कूलों की तुलना में कहीं बेहतर सामने निकलकर आया. सवाल ये खड़े हुए कि क्या निजी स्कूलों द्वारा सिर्फ कमाई की जा रही है.

आधी रात होते ही खुल जाते हैं शराब के एटीएम ..

कहीं खुफिया होल तो कहीं खुफिया खिड़की तो कहीं कटी हुई शटर... ये तीनों कलामक प्रयास इन दिनों जबलपुर के शहरी और ग्रामीण अंचलों में स्थित शराब दुकानों में देखे जा रहे हैं. इन जगहों में रात को उस वक्त शराब की बोतलें बढ़ी हुई कीमतों में बेची जाती हैं जब निर्धारित समय पर शराब दुकान बंद हो जाती है. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि ये खुफिया होल, खिड़कियां शराब के एटीएम के जैसे काम कर रहे हैं. हाल ही में एक तस्वीर गढ़ा त्रिपुरी चोक स्थित शराब दुकान की सामने आई जहां संचालक ने बड़े ही शातिराना अंदाज में शराब दुकान के फिनार एक खुफिया होल करवाया और फिर शुरू हो गया कालाबाजारी का खेल. इस शराब दुकान में सवाल इसलिए ज्यादा खड़े हुए क्योंकि शराब दुकान से करीब बीस कदम की दूरी पर गढ़ा पुलिस थाना स्थित है और त्रिपुरी चोक में अधिकतर रात के वक्त पुलिस चौकियां प्लाईट भी लगाती है.



भारत का फार्मा सेक्टर नवाचार और युवाओं के लिए नया आकाश



अनुप्रिया पटेल

भारत आज दुनिया की फार्मसी के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विज़न के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक नवाचार-आधारित वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं. हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें. साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है.

भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है. विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सिन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और

शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है. जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी, तब तक हम जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे. इसीलिए, हम उद्योग-आकांक्षिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं. इसी दिशा में, शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिटाने के लिए नाईपर और उद्योग के बीच 356 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं. साथ ही रिस्क डेवलपमेंट मिशनों के माध्यम से छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं. इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इनोवेशन हब बनेगा. औषधि क्षेत्र का विकास जीडीपी बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है. ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव हमारे युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के कंधों पर है.

उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है. इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित ₹10,000 करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल महत्वपूर्ण है. यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा. आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है. जिस रफतार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है. इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है.

वर्तमान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष

और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है. 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है. बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं. हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है. इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं. सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है. इसके साथ ही, वर्तमान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है.

इन सात संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्ससेलेंस की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे. इन केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञता में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है—नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्युटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरेप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्ससेलेंस स्थापित किए गए हैं. इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा. नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जायेंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे. इससे हमारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि डॉर क्रिएटर और नवाचारी बनेंगे. बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं. अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी.

(लेखक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं.)

नोएडा के आंदोलन से उठते प्रश्न

समान काम के लिए समान वेतन की मांग होना स्वाभाविक है. हरियाणा में न्यूनतम वेतन में 35 प्रतिशत वृद्धि की गई जबकि पड़ोसी उत्तर प्रदेश के नोएडा में अनेक वर्षों से वेतन वृद्धि नहीं की गई. जब श्रमिक 8,000 से 15,000 रुपए में 12 घंटा काम करने पर मजबूर होंगे, सामाजिक अकाशा नहीं मिलेगा, ओवरटाइम कराने पर भी कम पैसे दिए जाएंगे तथा नौकरी पर तलवार लटकी रहेगी तो असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है. हरियाणा के गुरुग्राम की एक कंपनी में 3 अप्रैल से आंदोलन शुरू हुआ जो अनेक कंपनियों में फैल गया. परिस्थिति विकट होती देखकर हरियाणा में वेतन वृद्धि करनी पड़ी. वहां अकुशल श्रमिक का वेतन 15,220 रु. अर्धकुशल का 16,780 रु., कुशल श्रमिक का 18,500 रुपए तथा सर्वाधिक कुशल का 19,425 रुपए वेतन दर निर्धारित किया गया. इसका असर नोएडा में पड़ा. हरियाणा सरकार के समान युपी में भी न्यूनतम वेतन बढ़ाने, कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण, सामाजिक अवकाश, महिलाओं को सुरक्षा, शिकायत निवारण केंद्र स्थापित करने जैसी मांग की गई. इस पर ध्यान न

देने से आंदोलन भड़का. पहले 2 दिन आंदोलन शांत था लेकिन सोमवार को हिंसक हो गया. श्रमिकों की दलील थी कि पश्चिम एशिया युद्ध से महंगाई बढ़ी है. हर महीने गैस सिलेंडर के दाम बढ़ रहे हैं. जीवनन्याय कठिन हो गया है. सिर्फ नोएडा ही नहीं, हरियाणा के मानसरो व पानीपत तथा गुजरात के सुरत में भी श्रमिक रास्ते पर उतरे हैं. नए श्रम नियमों में 12 घंटे तक काम लेने की छूट है लेकिन वेतन न बढ़ने से श्रमिकों में असंतोष पनप रहा है. बीजेपी शासित किसी भी राज्य में आंदोलन हुआ तो शांका होती है कि विरोध प्रदर्शन के पीछे अर्बन नवसल का हाथ है. युपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि आंदोलन हिंसक होने के पीछे समाज विरोधियों का हाथ है जो वॉट्सएप ग्रुप से भड़काने का काम करते हैं. पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया. यह कहना आसान है कि नोएडा के श्रमिक आंदोलन का उद्देश्य नवसलवाद फैलाना या देशद्रोही कृत्य करना है लेकिन असंतोष का मूल कारण श्रमिकों की मांगों की उपेक्षा ही है. इस बारे में संतुलित तरीके से विचार किया जाना चाहिए.

संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12231

1	2	3	4	5	6
		7		8	
9	10			11	12
13			14		
15	16	17	18		19
	20		21	22	
23		24			
26				27	

बाएं से दाएं

1. स्फटिक का शिवालिंग जो नर्मदा नदी से निकलता है (सं.) 5. घोड़े की जाति का एक प्रसिद्ध चौपाया, खर, मूख 7. विश्वास न करने वाला, भुलावे में डालने वाला, शक करने वाला 9. काटने से बचा हुआ छोटा रही टुकड़ा 11. दौड़कर चलने वाला व्यक्ति, हकरा (सं.) 13. गहरा, गड्ढा, गुफा, गाली 14. पारम्परिक 15. दोष निकालना 18. आंख, नेत्र 20. आकाश (सं.) 22. आर्द्र, गीला, शीतल (उर्दू) 23. रखने वाला, पत्नी, सुली, फांसी 24. रात्रि, रात 25. माप, नापने का काम, परिमाण 26. स्वभाव से दानी 27. जामाता, जमाई, कन्या का पति

Solution 12230

ज	न	क	ता	जा	सा	ह
ला	ग	त		त	र	वा
धा		ना	न	क	पं	धी
र	ज	त	क			आ
	ल	ला	प्र			च
ज	मा	क	रा	रो	प	ण
ब	धि	र	मा	द	क	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र अथवा व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा. शासन से लाभ प्राप्त होगा. वर्ष के मध्य में शत्रु ग्रंथ प्रबल रहेगा. भोग विलास में धन व्यय होगा. मित्रों का सहयोग रहेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. वर्ष के अन्त में व्यर्थ वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. यात्रा में कष्ट होगा. शारीरिक चिन्ता और मानसिक कष्ट होगा. पारिवारिक परेशानियों में वृद्धि होगी.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. भोग विलास में धन

व्यय होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को स्वजनों से मतभेद हो सकता है. मान सम्मान के प्रति सतर्क रहें. कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता में संलग्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नौकरी में परेशानी के बाद लाभ प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को मनोबांछित सफलता के योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के योग है.

मेघ- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. आकाशिक तनाव हो सकता है. निराशावादी विचारों को छोड़कर आशावादी बनें. कष्टों को भूलकर वर्तमान को बेहतर बनायें. वृषभ- नयी आकांक्षाएं मन को उद्देलित करेंगी, पुराने संबंधों में प्रगाढता बढेगी, बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. पुरानी बातों को भूलने की कोशिश करें. मिथुन- नयी योजना की ओर बढ़ेंगे, महत्वाकांक्षी ऊंचे प्रतिष्ठि होगी, और ले जायेंगे, जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है. कार्य में सहयोग मिलेगा. कर्क- स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें, अनुकूल नैतिक कर्तव्यों का पालन करें, निकट सहकर्मी से मतभेद पारदर्शिता रखें, छोटी छोटी बातों को भूलना हितकर रहेगा.

सिंह- अपने भविष्य को सुनियोजित करें, भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं रह सकती हैं, बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. परिवार को एक सूत्र में बनाये रखने हेतु प्रयास करेंगे. कन्या- कार्यों में अवरोध से मन अवसादग्रस्त होगा. मधुरवाणी से संबंध में प्रगाढता बढेगी, जीविका के क्षेत्र में लाभ होगा, दायित्वों का निर्वहन होगा. तुला- किसी नये कार्य को पूर्ति होगी, भवुकता व्यवहारिक जगत के अनुकूल चलने की चेष्टा करें. परिवार के विरोध का सामना करना पड़ सकता है. वृश्चिक- मन धनागम की नयी युक्तियों की आर केंद्रित होगा, कार्य क्षेत्र में किसी सहकर्मी से मतभेद संभव है, जीवनसाथी का भावनात्मक छेड़ प्रस होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, व्यवहार कुशल, परिश्रमी, स्पष्टवादी तथा निडर होगा. निर्णय लेने की अच्छी शक्ति रहेगी, अपने उद्देश्यों की पूर्ति के प्रति सचेत रहेगा. सभी के साथ अच्छा व्यवहार करेगा.

धनु- मन पर नियंत्रण रख अपने कर्तव्यों के प्रति केंद्रित हों, किसी नये संबंध के प्रति ध्यान देना होगा. नवीन योजना बनायें. थोड़ा संयमी और धैर्यवान बनें. मकर- कुछ नयी सामाजिक व्यस्तताएं सामने आयेंगी. महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति होगी, किसी अचल संपत्ति के क्रय हेतु प्रयास प्रारंभ होंगे. कुम्भ- संबंधों में आपका मन भावनात्मक अपूर्णित पर केंद्रित होगा, धार्मिक व पारंपरिक कार्यों में मन लगेगा. रोगग्रह के क्षेत्र में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठावें. मीन- मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा, प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा. प्रणय संबंध मधुर रहेंगे, शासन व राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी.

उदयकालीन ग्रह गाल

8	के.7 मू.	6	5
9	के.7 मू.	कु.	कु.
10	रा.		4
11		1	मं.
12	रा.	2	3

पंचांग

रा.मि. 27 संवत् 2083 वैशाख कृष्ण अमावस्या भृगुवासेर शाम 5/12, रेवती नक्षत्रे दिन 11/47, वैधुति योगे प्रातः 7/2 तदुपरि विष्कम्भ योगे रातअंत 4/27, चतुष्टय करणे सु.उ. 5/40, सु.अ. 6/20, चन्द्रचार मीन दिन 11/47 से मेघ, पूर्व- खानदान श्राद्ध अमावस्या, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

त्यापार भविष्य

वैशाख कृष्ण अमावस्या को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से गुड, खांड, चीनी के भाव में मदी होगी, जीरा, धनिया, सौंफ, अजवाईन के भाव में मामूली नरमी का रूख रहेगा. भायांक 4220 है

SUDOKU 7363

9	2	4	1	7				
1				6				
5	7	3	2					4
				9	4	8		
4	7					9	6	
		5	8	3				
3				6	5	9	1	
	6						7	
		9	1	8		2		4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने वाले आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी उभरी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2